REVIEW OF ANNUAL REPORT AND AUDITED ACCOUNTS OF KONKAN RAILWAY CORPORATION LIMITED (KRCL) FOR THE YEAR 2020-21

The Company was established in the year 1990 with equity participation by Ministry of Railways (51%), Maharashtra (22%), Karnataka (15%), Kerala (6%) and Goa (6%) for the purpose of construction and operation of Railway along the Western Coast of India.

1. FINANCIAL PERFORMANCE:

The total revenue of the Company was Rs. 1657 Cr. (Rupees one thousand six hundred fifty seven Cr.) as compared to previous year's total revenue of Rs. 2735 Cr. (Rupees two thousand seven hundred thirty five Cr.). The Company has a net loss (loss after Tax) of Rs. 366 Cr. (Rupees three hundred sixty six Cr.) during the year under review as compared to the profit of Rs. 4 Cr. (Rupees four Cr.) in the financial year 2019-20. There has been substantial financial impact in the Financial Year 2020-21 due to the COVID- 19 Pandemic.

KEY FINANCIAL HIGHLIGHTS:

(Rs. in Cr.)

PARTICULARS	2020-21	2019-20
Total Income	1657.29	2734.80
Operating Margin	(-)164.75	197.72
Profit After Tax	(-) 366.41	3.84
Net Worth	1570.18	1919.58

2. TRAIN OPERATING PERFORMANCE:

During the year, 45 pairs of Mail/Express trains and 08 pairs of passenger trains on average per day were scheduled to run over Konkan Railway route. In wake of COVID-19 Pandemic, as per COVID-19 restrictions and guideline issued by the Government of India, regular passenger train operation remained suspended during most of the year. During the initial period of lock down Shramik special and Parcel trains were run. A total of 94 Nos. of Shramik special trains were run for movement of stranded labourers of various States on

--2|-

Konkan Railway route. Out of which, 80 Nos. of trains originated from KRCL Stations. A total of 48 Nos. of Parcel trains were run on KRCL route during the year in co-ordination with Zonal Railways to facilitate movements of essential commodities, equipment, medicines, perishable items etc. Out of which 18 Nos. of Parcel trains originated from KRCL Stations. Further, 4427 Nos. of Mail Express/ Passenger special trains were run with gradual increase in frequency during the year. During Ganpati festival, a total of 194 Nos. of special trains were operated. The passenger revenue during the financial year was Rs. 200.70 Cr. registering a decrease of 71% over the corresponding revenue of Rs. 680.78 Cr. of previous year.

On the freight front during the year 2020-21, on an average, 12 freight trains were run per day including Roll on - Roll off (RORO) services. The freight revenue during the financial year was Rs.387.94 Cr., which is 13% less than that of previous year's Rs. 445.94 Cr.

3. PROJECT PERFORMANCE:

a. **Udhampur-Srinagar-Baramula Rail Link (USBRL PROJECT, J&K):** So far, we have completed 40.2 km tunnel excavation, out of total 45.24 km. 5.078 km of tunnel excavation, 4.66 km of Tunnel Lining and 11001 MT of launching have been completed during the year. A turnover of Rs. 827 Cr. (excluding GST) was achieved from the Project during the year, as compared to Rs.1281 Cr. (excluding GST) of 2019-20. There was a reduction of 35.44% due to stoppage of work & reduction of work due to COVID-19 Pandemic.

b. **Anakkampoyil - Kalladi- Meppadi Tunnel Road Project:** Government of Kerala has assigned KRCL, as Special Purpose Vehicle (SPV), the execution of the Anakkampoyil-Kalladi- Meppadi Tunnel Road Project. A Tripartite Agreement has been signed between Konkan Railway, Public Works (H) Department, Govt. of Kerala and Kerala Infrastructure Investment Fund Board (KIIFB) to implement the project. The scope of work is preparation of Detailed Project Report and construction of Two-Lane Road Tunnel including Approach roads and River Bridge at a tentative cost of Rs. 658 Cr. FLS for the work has been completed. Preparation of DPR is in progress.

c. **ROUTE ELECTRIFICATION OF KONKAN RAILWAY ROUTE:** CRS sanction has been obtained for introduction of commercial services for carriage of goods and passenger traffic on 25kV AC traction in Bijoor - Thokur section (108.858 RKM), Bijoor-Karwar section (131.74 RKM) and Roha-Ratnagiri section (204.704 RKM). Works are in progress in section between Karwar and Ratnagiri which is likely to be completed by December, 2021.

- -3| -

4 **हिन्दी में प्रगति**

1 'रेल मंत्री राजभाषा रनिंग ट्रॉफी': इस वर्ष भारतीय रेलवे के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए आदर्श उपक्रम के रूप में कॉर्पोरेशन को 'रेल मंत्री राजभाषा रनिंग ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया।

2 वर्ष 2021 के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर 'ख' क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी के अंतर्गत राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए कॉर्पोरेशन को द्वितीय स्थान के 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। कॉर्पोरेशन को सातवीं बार यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

3 **कोंकण रेलवे विगत चार वर्षों से नवी मुंबई नराकास का संचालन कर रही है। वर्ष के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर 'ख' क्षेत्र की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की श्रेणी के अंतर्गत राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए नवी मुंबई नराकास को द्वितीय स्थान के 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। नवी मुंबई नराकास को तीसरी बार यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है।**

4 **वर्ष 2020-21 के लिए कॉर्पोरेशन की राजभाषा गृह पत्रिका "कोंकण गरिमा" को अखिल भारतीय स्तर पर 'ख' क्षेत्र की गृह पत्रिकाओं में सर्वोत्कृष्ट राजभाषा गृह पत्रिका के लिए प्रथम स्थान के 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।**

5 कोंकण रेलवे के मडगांव स्टेशन को राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा तृतीय स्थान **के** 'क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार' **से सम्मानित किया गया।** मडगांव स्टेशन को छठी बार यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

6 **कॉर्पोरेशन को राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए और सर्वोत्कृष्ट राजभाषा गृह पत्रिका "कोंकण गरिमा" के लिए नवी मुंबई नराकास की ओर से प्रथम स्थान के 'नराकास राजभाषा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए रत्नागिरी कार्यालय और उडुपि स्टेशन को संबंधित नराकासों द्वारा 'नराकास राजभाषा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।**

7 संसद की राजभाषा समिति (द्वितीय उप समिति) ने 09.01.2021 को कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड का दौरा किया। समिति ने राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन पर केआरसीएल के अधिकारियों के साथ चर्चा की। समिति ने इस संबंध में केआरसीएल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

*****

वर्ष 2020-21 के लिए कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित खातों की समीक्षा

कंपनी की स्थापना भारत के पश्चिमी तट पर रेलवे का निर्माण और परिचालन के उद्देश्य से रेल मंत्रालय (51%), महाराष्ट्र (22%), कर्नाटक (15%), केरल (6%) और गोवा (6%) द्वारा इक्विटी भागीदारी के साथ वर्ष 1990 में की गई।

1. वित्तीय निष्पादन:

पिछले वर्ष के कुल राजस्व 2735 करोड़ रुपए (दो हजार सात सौ पैतीस करोड़ रुपए) की तुलना में कंपनी का कुल राजस्व 1657 करोड़ रुपए (एक हजार छह सौ सत्तावन करोड रुपए) रहा। वित्तीय वर्ष 2019-20 में 4 करोड़ (चार करोड़ रुपए) रुपए के लाभ की तुलना में समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी को 366 करोड़ (तीन सौ छियासठ करोड़ रुपए) की शुद्ध हानि (कर पश्चात हानि) हुई है । कोविड- 19 महामारी के कारण वित्तीय वर्ष 2020-21 में वित्तीय प्रगति पर काफी प्रभाव पड़ा है।

प्रमुख वित्तीय विशेषताएं:

(करोड़ रुपए में)

विवरण	2020-21	2019-20
कुल अर्जन	1657.29	2734.80
परिचालन मार्जिन	(-)164.75	197.72
कर पश्चात लाभ	(-) 366.41	3.84
निवल मूल्य	1570.18	1919.58

2. गाड़ी परिचालन निष्पादन:

वर्ष के दौरान, कोंकण रेलवे मार्ग पर प्रति दिन औसतन 45 जोड़ी मेल / एक्सप्रेस गाड़ियां और 08 जोड़ी यात्री गाड़ियां चलाने के लिए निर्धारित किया गया था। कोविड-19 के मद्देनजर निवारक उपाय के तौर पर तथा भारत सरकार द्वारा जारी किए गए कोविड-19 प्रतिबंधों और दिशा-निर्देशों के अनुसार, लगभग पूरे वर्ष के दौरान नियमित यात्री गाड़ी परिचालन बंद रहा।

लॉक डाउन के शुरुआती दौर में श्रमिक स्पेशल और पार्सल गाड़ियां चलाई गई। केआरसीएल मार्ग पर विभिन्न राज्यों के फंसे मजदूरों की आवाजाही के लिए कुल 94 अदद श्रमिक स्पेशल गाड़ियां चलाई गई। इनमें से 80 अदद गाड़ियां केआरसीएल के स्टेशनों से चलाई गई। आवश्यक वस्तुओं, उपकरणों, दवाओं, नाशवान वस्तुओं आदि की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए क्षेत्रीय रेलों के समन्वय से वर्ष के दौरान केआरसीएल मार्ग पर कुल 48 अदद पार्सल गाड़ियां चलाई गई। इनमें से 18 अदद पार्सल गाड़ियां केआरसीएल स्टेशनों से चलाई गई। इसके अलावा, वर्ष के दौरान गाड़ियों के फेरे में धीरे-धीरे बढ़ोतरी करते हुए 4427 अदद मेल एक्सप्रेस/पैसेंजर स्पेशल गाड़ियां चलाई गई। गणपति उत्सव के दौरान, कुल 194 अदद विशेष गाड़ियों का परिचालन किया गया। पिछले वर्ष के 680.78 करोड़ रु. की तुलना में वित्त वर्ष के दौरान यात्री यातायात राजस्व घटकर 200.70 करोड़ रु. हो गया और इस प्रकार 71% की कमी आई।

वर्ष 2020-21 के दौरान रोल ऑन-रोल ऑफ (आरओ-आरओ) सेवाओं सहित औसतन 12 मालगाड़ियां चलाई गई। पिछले वर्ष 445.94 करोड़ रु. की तुलना में वित्त वर्ष के दौरान मालभाड़ा अर्जन 387.94 रु. रहा जो पिछले वर्ष की तुलना में 13% कम है।

3. परियोजना निष्पादन:

क. उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल परियोजना, जम्मू और कश्मीर): अब तक, हमने कुल 45.24 किमी में से 40.2 किमी सुरंग की खुदाई का कार्य पूरा किया है। वर्ष के दौरान 5.078 किमी सुरंग खुदाई, 4.66 किमी टनल लाइनिंग और 11001 एमटी लॉन्चिंग का कार्य पूरा किया गया है। वर्ष 2019-20 में 1281 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) की तुलना में इस वर्ष के दौरान 827 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) का परियोजना से कारोबार हासिल किया गया था। कोरोना-19 महामारी के कारण काम रुकने और काम में कमी की वजह से 35.44% की कमी आई है।

ख. अनक्कमपोयिल-कल्लाडी-मेप्पाडी सुरंग सड़क परियोजना

केरल सरकार ने केआरसीएल को विशेष प्रयोज्य योजना (एसपीवी) के रूप में अनाक्कमपोइल-कल्लाडी-मेप्पाडी सुरंग सड़क परियोजना के निष्पादन का कार्य सौंपा है। परियोजना के क्रियान्वयन के लिए कोंकण रेलवे, लोक निर्माण (एच) विभाग, केरल सरकार और केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कार्य का दायरा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना और 658 करोड़ रुपए की संभावित लागत पर पहुंच मार्ग और नदी पुल सहित दोहरी-लेन रोड टनल का निर्माण करना है। अंतिम स्थान सर्वेक्षण का कार्य पूरा हो गया है। डीपीआर तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

ग. कोंकण रेलवे मार्ग का विद्युतीकरण: बिजूर-ठोकुर खंड (108.858 मार्ग किमी), बिजूर-कारवार खंड (131.74 मार्ग किमी) और रोहा-रत्नागिरी सेक्शन (204.704 मार्ग किमी) में 25 केवी एसी ट्रैक्शन पर माल और यात्री यातायात के लिए वाणिज्यिक सेवाओं की शुरुआत करने के लिए सीआरएस स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है। कारवार और रत्नागिरी खंड के बीच कार्य प्रगति पर है। यह कार्य दिसंबर, 2021 तक पूरा होने की अपेक्षा है।

4. हिन्दी में प्रगति

1 **'रेल मंत्री राजभाषा रनिंग ट्रॉफी'**: इस वर्ष भारतीय रेलवे के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए आदर्श उपक्रम के रूप में कॉर्पोरेशन को 'रेल मंत्री राजभाषा रनिंग ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया।

2 वर्ष 2021 के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर 'ख' क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी के अंतर्गत राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए कॉर्पोरेशन को द्वितीय स्थान के 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। कॉर्पोरेशन को सातवीं बार यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

3 कोंकण रेलवे विगत चार वर्षों से नवी मुंबई नराकास का संचालन कर रही है। वर्ष के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर 'ख' क्षेत्र की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की श्रेणी के अंतर्गत राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए नवी मुंबई नराकास को द्वितीय स्थान के 'राजभाषा

कीर्ति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। नवी मुंबई नराकास को तीसरी बार यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

4 वर्ष 2020-21 के लिए कॉर्पोरेशन की राजभाषा गृह पत्रिका "कोंकण गरिमा" को अखिल भारतीय स्तर पर 'ख' क्षेत्र की गृह पत्रिकाओं में सर्वोत्कृष्ट राजभाषा गृह पत्रिका के लिए प्रथम स्थान के 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

5 कोंकण रेलवे के मडगांव स्टेशन को राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा तृतीय स्थान के 'क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। मडगांव स्टेशन को छठी बार यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

6 कॉर्पोरेशन को राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए और सर्वोत्कृष्ट राजभाषा गृह पत्रिका "कोंकण गरिमा" के लिए नवी मुंबई नराकास की ओर से प्रथम स्थान के 'नराकास राजभाषा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने के लिए रत्नागिरी कार्यालय और उडुपि स्टेशन को संबंधित नराकासों द्वारा 'नराकास राजभाषा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।

7 संसद की राजभाषा समिति (द्वितीय उप समिति) ने 09.01.2021 को कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड का दौरा किया। समिति ने राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन पर केआरसीएल के अधिकारियों के साथ चर्चा की। समिति ने इस संबंध में केआरसीएल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

****